येशू ने वृक्ष में एक चोर को खोजा

बच्चों को पश्चात्ताप करने में सहायता कीजिये।

इन क्रियाओं में से उन क्रियाओं को चुनिये जो बच्चों की आयु और आवश्यकताओं को पूर्ण करें।

बड़ा बच्चा या शिक्षक: जक्कई की कहानी पढ़े जो (लूका 19:1-10 में पाई जाती है वह हमें एक ऐसे पुरूष के विषय में बताती है जिसने पैसे चुराये और पश्चात्ताप किया जब यीशु से मिला।

इस अध्ययन के आखिरी पृष्ठ में दिये गये चित्र को बच्चों को नकल करने या रंग भरने को दें।

पूछिये: (उत्तर प्रत्येक प्रश्न के बाद आते हैं।)

- जक्कई क्या काम करता था? (देखिये आयत 2 कर एकत्र करने वाले कई बार लोगों से कर के पैसे से अधिक एकत्र करते थे और अतिरिक्त पैसे को रख लेते थे और अधिक धनी बन जाते थे। वे चोर थे)
- जक्कई वृक्ष पर क्यों चढ़ा? (देखिये आयत 3)
- प्रभु यीशु ने ये कैसे दर्याया कि उसने जक्कई को चोर होने के पश्चात भी माफ किया? (देखिये आयत 5 यीशु उसके घर खाना खाने गये)
- जक्कई ने कैसा महसूस किया जब यीशु ने उससे बात की? (देखिये आयत 6 वह खुश था)
- जक्कई को पता था कि यीशू ने उसे क्षमा कर दिया है उसके सम्मान में उसने क्या किया? (देखें आयत 8)
- प्रभु यीशु किन्हें बचाने आया था? (देखें आयत 10)

जक्कई की कहानी का नाटक प्रस्तुत करें आराधना के नेता के साथ तैयार कीजिये ताकि बच्चे इस नाटक को आराधना के बीच में प्रस्तुत कर सकें। अपना कुछ समय बच्चों के साथ इस नाटक को तैयार करने में व्यतीत करें। आपको सारे भाग उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है।

- किसी **बड़े बच्चे** या बालकों को इन भागों का अभिनय करने दें:

वर्णन करने वाला कहानी का सार निकालें और बच्चों को क्या कहना और करना है याद रखने में सहायता करें।

यीशू

जक्कई: पत्थरों से भरा थैला या कागज जो सिक्कों को दर्शाते है पकड़िये

- **छोटे बच्चे** लोगों को दर्शायें

वर्णन करने : कहानी का पहला भाग बतायें (लूका 19:1-6) फिर कहें, "सुनो लोग क्या कहते हैं"

लोग : "यीशु आ रहा है!"

"जक्कई को देखो। वह एक वृक्ष पर चढ़ रहा है!"

"उसने मेरा पैसा चुराया जब उसने मेरा कर एकत्र किया।"

"वह नाटा छोटा व्यक्ति बहुत गंदा है!"

"मुझे आशा है कि यीशु उसे सज़ा देगा!"

जक्कई : एक कुर्सी पर चढ़ जाये।

यीशु : ऊपर देखें और कहें "जक्कई नीचे उतर आ मैं तेरे घर आज खाना खाऊँगा"

वर्णन करने वाला : कहानी का दूसरा भाग बतायें (आयत 7-10) और कहें "सुनो जक्कई क्या कहता है।"

जक्कई : कुर्सी से नीचे उतरकर कहें यीशु मेरे घर आ रहा है। उसने मुझे क्षमा किया। मैं बहुत प्रसन हूँ। मैंने जितना चुराया है मैं उससे अधिक वापिस दूंगा। "(थैले में से सिक्के निकाल कर लोगों को देते हुए दिखायें) कहें" मैं गरीबों की सहायता करूंगा! यहाँ मैं यह पैसा तुम्हें देता हूँ। यह ले लो

यीशु : "इस तरह के मनुष्यों को मैं बचाने आया हूँ। जक्कई खो गया था। परन्तु अब वह बच गया है।"

लोग : "इस पैसों को देखो जो जक्कई ने मुझे दिया है।"

"यीशु ने कैसे इस चोर को परिवर्तित कर दिया?"

"मैं चाहता हूँ कि प्रभु मेरे भी पाप क्षमा कर दे।"

वर्णन करने वाला : नाटक समाप्त हो जाने के बाद बच्चों का धन्यवाद करें।

अगर बच्चे जक्कई की कहानी नाटक के रूप में श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करें तो उनसे वह प्रश्न भी पूछें जो पृष्ठ। पर दिये गये हैं।

बच्चों से पूछें: और कौन से ऐसे मार्गों के उदाहरण है जिनके द्वारा हम प्रभु का सम्मान कर सकें उसकी क्षमायाचना के लिये?" (बच्चों को उदाहरण देने दें।)

पैसो से भरा एक थैले का **चित्र बनायें।** बच्चों को उस की नकल करने दें। अगली आराधना के समय में इन चित्रों को वह श्रोताओं को दिखा सकते हैं। उन्हें समझाने दें कि ये दर्शाता है कि प्रभु कैसे हृदयों को परिवर्तित करता है, जिससे उसको प्रेम करना पैसे से अधिक महत्वपूर्ण बन जाता है।

याद करें यशायाह 1:18

कविता पाठ जोर से बोलें : तीन बच्चों को लो और प्रत्येक एक आयत जो कि भजनसंहिता 51:1,7 और 13 में हैं वर्णन करें।

प्रार्थना : "पिता हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आप हमें इतना प्रेम करते हैं आप हमें उस समय बचाने आये जब हम खोये हुये पापी थे। आपने हमें क्षमा किया और आनन्द से भर दिया अपनी क्षमायाचना के द्वारा हम इसके लिये आपका सम्मान और धन्यवाद करते हैं। हम दूसरे लोगों को प्रेम करके आपको अपना प्रेम दिखाना चाहते हैं।"

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net